B.A. (Part I) Examination, 2011

(Compulsory Paper)

GENERAL HINDI

Time Allowed : Three hours **Maximum Marks : 100**

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

(क) इस देश में जो जिसके लिए प्रतिबद्ध है, वही उसे नष्ट कर रहा है। लेखकीय स्वतन्त्रता के लिए प्रतिबद्ध लोग ही लेखक की स्वतन्त्रता छीन रहे हैं। सहकारिता के लिए प्रतिबद्ध इस आन्दोलन के लोग सहकारिता को नष्ट कर रहे हैं। सहकारितापूर्वक खाने लगते हैं और आन्दोलन कर देते हैं। समाजवाद को समाजवादी ही रोके हुए हैं। ..... जिस शासन-व्यवस्था में समाजवाद के आने के कागज दब जाएँ और जो उसकी सुरक्षा की व्यवस्था न करे, उसके भरोसे समाजवाद लाना है तो ले आओ। मुझे एतराज भी नहीं है। जनता के द्वारा समाजवाद न आकर अगर समाजवाद दफ्तरों के द्वारा आ गया तो एक ऐतिहासिक घटना हो जायेगी। 10

अथवा

उसने अपनी संस्कृति से भरपूर रस लिया है, पर अपनी प्रकृति में ढाल दिया है। उपनिषदों का ज्ञान, योग के रहस्य, कालिदास जैसे कवियों का उक्ति-सौष्ठव-यह सब छनकर हिन्दी साहित्य में आता रहा। आदान-प्रदान हिन्दी का दूसरा पर्याय बन गया है। हाँ, यह आदान-प्रदान सत्ता के भाव से नहीं, शुद्ध आत्मदान के भाव से रहा। हिन्दी कुछेक रजवाड़ों में सत्रहवीं सदी के उत्तरार्द्ध से राजकाज की भाषा रही जरूर, पर इससे अधिक वह भाषा रही रमता जोगियों, साधु-सन्तों, तीर्थयात्रियों और बनिज के लिए दूर-दूर जाने वाले सौदागरों की, अथवा हृदय को छूने वाले साहित्य की। इन सबने हिन्दी नहीं चलाई। हिन्दी इनकी गतिशीलता का आधार बनी। इस प्रकार हिन्दी का दूसरा पर्याय गतिशीलता है। 10

(ख) हल्दी घाटी के शिलाखण्ड,
ऐ दुर्ग ! सिंहगढ़ के प्रचण्ड,
राणा, नाना का कर घमण्ड
दो जगा आज स्मृतियाँ ज्वलन्त,
वीरों का कैसा हो वसन्त?

भूषण अथवा कवि चन्द नहीं,
बिजली भर दे वह छन्द नहीं,
है कमल बंधी स्वच्छन्द नहीं
फिर हमें बतावे कौन हन्त!
वीरों का कैसा हो वसन्त? 10

अथवा

रस-मयी भव-वस्तु विलोक के
सरसता लख भूतल-व्यापिनी
समझ है पड़ता बरसात में
उदक का रस नाम यथार्थ है।

https://www.mdsuonline.com

मृतक-प्राय हुई तृण-राजि भी
सलिल से फिर जीवित हो गई
फिर सु-जीवन जीवन को मिला
बुध न जीवन क्यों उसको कहें। 10

2. महादेवी वर्मा के 'लछमा' रेखाचित्र के आधार पर लछमा की चारित्रिक विशेषताओं को सप्रमाण प्रस्तुत कीजिये। 15

अथवा

छगन मोहता के निबन्ध 'पर्यावरण और सनातन दृष्टि' में व्यक्त विचारों को संक्षेप में लिखते हुए इस विचार को समझाइये कि 'यदि हम पर्यावरण की रक्षा करेंगे तो वह हमारी रक्षा करेगा।' 15

3. सोहनलाल द्विवेदी ने 'चल पड़े जिधर दो डग' कविता में 'युगद्रष्टा' और 'युगस्रष्टा' की जिन विशेषताओं को प्रकट किया है उन्हें सोदाहरण प्रस्तुत कीजिये। 15

अथवा

महाकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' ने 'समर शेष है' कविता में क्या-क्या करने के लिए आह्वान किया है? सप्रमाण स्पष्ट कीजिये। 15

4. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिये :

(i) पैत्रिक (ii) सुश्रूषा
(iii) व्यवहारिक (iv) प्रोढ़
(v) बहिर्सृष्टि (vi) तदोपरान्त
(vii) लघुत्तर (viii) रुचिशील 5

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों को शुद्ध कीजिये :

(i) वहाँ क्या-क्या बात हुई?
(ii) भक्त ने मन्दिर में भगवान् का दर्शन किया।
(iii) धमकाने पर शिशु ने रो दिया।
(iv) जगत् में मानव सबसे सुन्दरतम है।
(v) वे नवरात्रों में उपवास करते हैं।
(vi) इस समस्या को सुलझाना असंभव-सा ही नहीं, बेहद मुश्किल है।
(vii) उस दृश्य को देखने के लिए अनेकों लोग आये।
(viii) हिन्दी के पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ते रहिए। 5

(स) किन्हीं पाँच के हिन्दी पारिभाषिक शब्द लिखिये :

(i) TRANSPORT (ii) FORENOON
(iii) ENDORSED (iv) CESS
(v) PRIVILEGE (vi) COPYRIGHT
(vii) QUORUM (viii) ELIGIBILITY 5

(द) किन्हीं पाँच शब्द-युग्मों का अर्थभेद स्पष्ट कीजिये :

(i) अपेक्षा - उपेक्षा (ii) इति - ईति
(iii) भीति - भित्ति (iv) रसना - रशना
(v) मरीचि - मरीची (vi) शशधर - शशिधर

https://www.mdsuonline.com

(य) निम्नलिखित में से किसी एक उक्ति का पल्लवन कीजिये :

(i) स्वावलम्बन की एक झलक पर न्यौछावर कुबेर का कोष। 5

अथवा

(ii) होनहार बिरवान के होत चीकने पात। 5

(र) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यांशों के लिए सार्थक शब्द लिखिये :

(i) दोनों हाथों से बाण चलाने वाला व्यक्ति

(ii) दिन का पिछला प्रहर

(iii) पीठ पीछे काम बिगाड़ने वाला और सामने मीठी-मीठी बातें करने वाला व्यक्ति

(iv) राष्ट्र की बागडोर संभालने वाली महिला। 5

5. निम्नलिखित अवतरण का एक-तिहाई (1/3) रूप में संक्षेपण कीजिये और अवतरण का उपयुक्त शीर्षक लिखिये :

कलाओं के बहुमुखी उत्थान से हम अपने विस्मृत आत्म-चैतन्य को शीघ्र ही फिर प्राप्त कर सकते हैं। शिव के तांडव की शक्ति को अपने ही अंगों में हम पुनरुज्जीवित देख सकते हैं। व्रज के द्वारा दानवों का दलन करने वाली वज्रिन इन्द्र की त्रिलोकरक्षी महिमा को अपने रंगमंच पर प्रत्यक्ष करके कितना आत्मकल्याण किया जा सकता है? प्राचीन वीणा-गाथियों के स्वरों को अपने संगीतमय कंठ में फिर से भरकर हम अतीत के साथ तन्मय हो सकते हैं। अपने कुशल चित्रकारों के वर्णाढ्य चित्र-पटों और भित्तिचित्रों को फिर से साक्षात् देखकर हमारे समाज में आनन्दी जीवन के लिए अध्यायों का आरम्भ हो सकता है। 5

6. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर को अलवर के रामप्रकाश की ओर से लिखे जाने वाले आवेदन-पत्र का प्रारूप प्रस्तुत कीजिये जिसमें उच्च माध्यमिक परीक्षा (कला संवर्ग) 2007 उत्तीर्ण करने का प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए रामप्रकाश की प्रार्थना हो। 5

अथवा

कोटा नगर के महाविद्यालय के छात्र सर्वेश्वर की ओर से वहाँ के नगर दण्डनायक को लिखे जाने वाले पत्र का प्रारूप प्रस्तुत कीजिये जिसमें परीक्षा के दिनों में ध्वनि-विस्तारक यंत्रों का प्रयोग कर रोक लगाने के लिए प्रार्थना की गई हो। 5

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिये (शब्द-सीमा : 300 शब्द)

(i) युवा विद्यार्थियों में बढ़ता असन्तोष

(ii) महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार

(iii) राजस्थान में सर्व शिक्षा-अभियान

(iv) 'सब दिन जात न एकसमान'। 10

https://www.mdsuonline.com